प्रकाशितवाक्य 1

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

यह ९५ ईस्वी. का समय है यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के साठ वर्ष के बाद।

प्रेरित पतरस को रोम में क्रूस पर चढ़ाया गया बहुत से लोग कहते हैं कि उसे क्रूस पर उल्टा चढ़ाया गया था।
मैं अपने प्रभु यीशु के समान क्रूस पर चढ़ाए जाने के योग्य नहीं हूँ।
जैसी तेरी इच्छा।

नीरो के द्वारा सताव के समय प्रेरित पौलुस का सिर काट दिया गया है।

प्रेरित यूहन्ना को उबलते तेल की एक कढ़ाई में डाल दिया गया है - लेकिन वह चमत्कारिक रूप से बच गया।

एक नया सम्राट सिंहासन पर बैठा।
उसका नाम डोमिशियन है - और उससे पहले के बहुत से सम्राटों की तरह - वह भी निर्दयी है।
उसने जल्द ही डोमिनूस एट ड्यूस को लागू कर दिया - सम्राट की उपासना की प्रथा।
सभी लोगों को धूप चढ़ानी है और सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार करना है कि सम्राट ही ईश्वर है।
--लेकिन एक समूह ऐसा करने से दृढ़तापूर्वक इनकार कर रहा है।
अभी धूप चढ़ाओ!
केवल यीशु मसीह ही परमेश्वर है।
उसे रंगभूमि में ले जाओ - वहीं पर वह अंगीकार करेगा शेरों के सामने।
राजद्रोह के इस बर्ताव के कारण उसे मार दिया जाएगा।

मसीहियों की मृत्यु!
हाँ, वे इसी के योग्य हैं वे यह विश्वास करने के कारण मूर्ख हैं कि एक मरा हुआ व्यक्ति अब जीवित है।
उस बदनाम रंगभूमि में मनोरंजन के लिए हजारों मसीहियों को मार दिया गया।
कुछ भी बुरा होता था - चाहे अकाल, महामारी, या भूकम्प - सम्राट मसीहियों परर दोष लगाता है।
लेकिन न तो उनके अगुवों का नुकसान न सरकार द्वारा सताव इन मसीह-अनुयायियों के विश्वास को खत्म कर सका।
मसीह-अनुयायियों की संख्या में वृद्धि जारी रही।
इस आंदोलन को रोकने के प्रयास में, सम्राट डोमिशियन ने उनके अगुवे यूहन्ना को, जो यीशु का अंतिम जीवित शिष्य था दूसरे स्थान में भेजने का फैसला किया।
सम्राट द्वारा यूहन्ना को यूनान के तट से बहुत दूर पतमुस नामक टापू पर निर्वासित कर दिया गया। उसका मानना था कि यूहन्ना अब मसीहियों की अगुवाई या वहाँ से उन पर प्रभाव नहीं डाल सकता है।

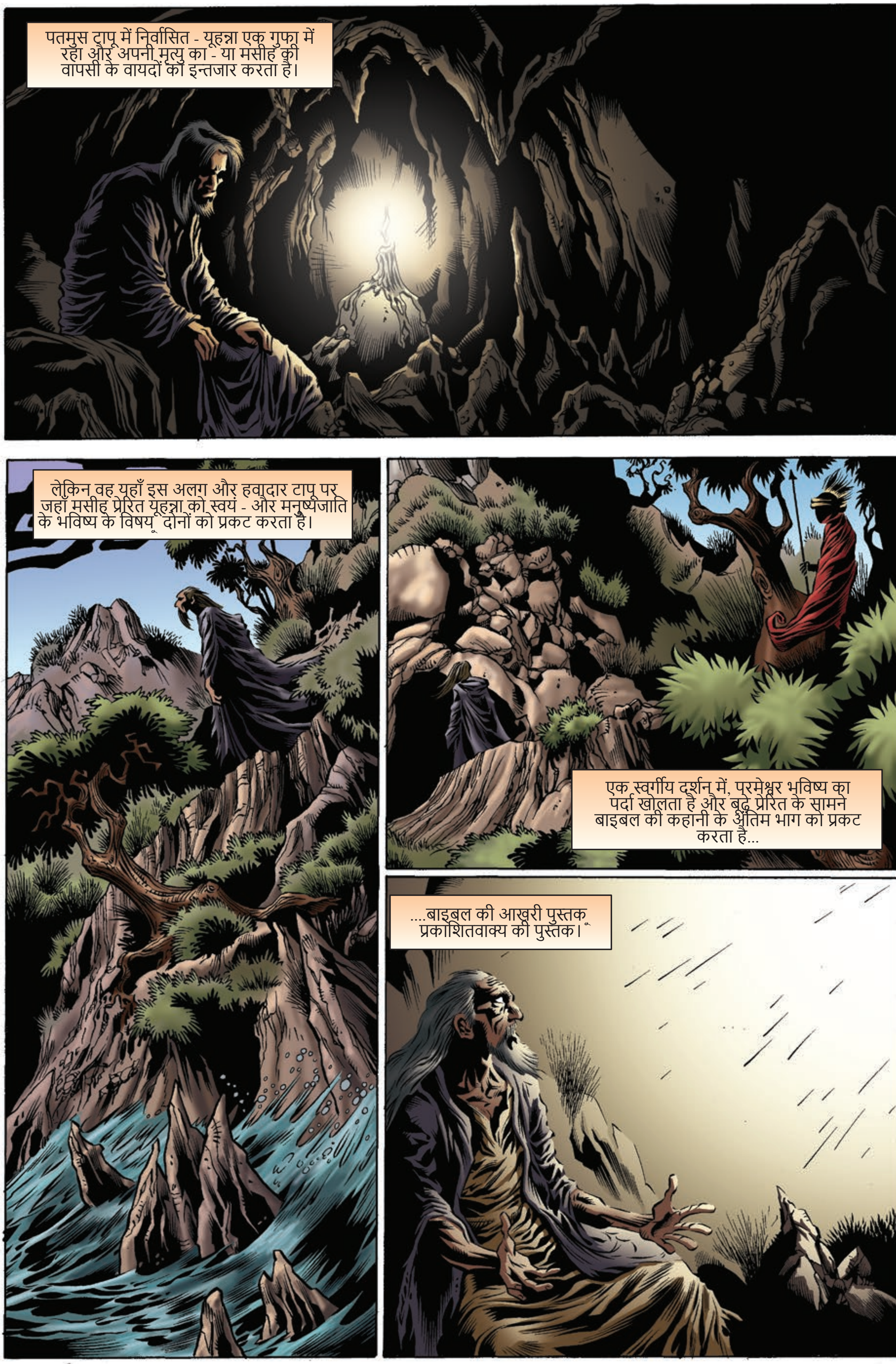
पतमुस टापू में निर्वासित - यूहन्ना एक गुफा में रहा और अपनी मृत्यु का - या मसीह की वापसी के वायदों का इन्तजार करता है।
लेकिन वह यहाँ इस अलग और हवादार टापू पर जहाँ मसीह प्रेरित यूहन्ना को स्वयं - और मनुष्यजाति के भविष्य के विषय दोनों को प्रकट करता है।
एक स्वर्गीय दर्शन में, परमेश्वर भविष्य का पर्दा खोलता है और बूढ़े प्रेरित के सामने बाइबल की कहानी के अंतिम भाग को प्रकट करता है...
....बाइबल की आखरी पुस्तक प्रकाशितवाक्य की पुस्तक।

प्रकाशितवाक्य १:१०, १२-१७

भयभीत न हो। मैं सबसे पहला और अंतिम हूँ। मैं मर गया था; और अब मैं जीवता हूँ -
मैं हमेशा और हमेशा के लिए जीवित हूँ! और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियाँ मेरे पास हैं।
“तूने जो देखा है उसे लिख ले, जो अभी हो रहा है और जो बाद में होनेवाला है।”
जो इस पुस्तक को पढ़ते हैं परमेश्वर ने उन सभी को विशेष आशीषें देने का वायदा किया है
वे सभी लोग जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ेंगे और इसमें लिखी गई बातों को दिल से मानेंगे, वे आशीषित होंगे - क्योंकि समय निकट है।

उस के लिए जो हमसे प्रेम रखता है...
...और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें हमारे पापों से स्वतंत्र किया है...
...और हमें अपने पिता और परमेश्वर की सेवा करने के लिए एक राज्य और याजक भी बनाया उस की महिमा और पराक्रम हमेशा और हमेशा रहे! आमीन।
यूहन्ना की ओर से, एशिया प्रान्त में सात कलीसियाओं के नाम:
जो है, और जो था, और जो आने वाला है, उसकी ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे...

मसीह ने यूहन्ना को प्रत्येक प्रचलित कलीसिया के लिए एक संदेश दिया, लेकिन संदेश सम्पूर्ण कलीसियाई युग के सभी कलीसियाओं के लिए भी हैं।
एशिया माइनर में इफिसुस का सबसे बड़ा बंदरगाह था और व्यापार के चार प्रमुख मार्ग इस शहर से होकर गुजरते थे।
इफिसुस शहर अरतिमिस देवी की पूजा का मुख्य स्थान था। उसका मंदिर प्राचीन विश्व के सात अजूबों में से एक था।
प्रेरित पौलुस ने इस कलीसिया की स्थापना की थी। तीमुथियुस और प्रेरित यूहन्ना दोनों ने वहाँ सेवकाई की थी।
इफिसुस की कलीसिया सिद्धांत में मजबूती थी लेकिन प्रेम में कमजोर थी।
मैं तेरे कामों, तेरे कठिन परिश्रम और तेरे धीरज को जानता हूँ।
फिर भी मुझे तेरे विरुद्ध यह कहना है कि तूने अपना पहला प्रेम त्याग दिया है।
पश्चाताप कर और पहले की तरह कार्य कर।
जो जय पाएँगे मैं उन सभी को परमेश्वर के स्वर्गलोक में पाए जाने वाले जीवन के वृक्ष से फल खाने का अधिकार दूँगा।

प्रकाशितवाक्य २:८-११

पिरगमुन की कलीसिया के नाम, बुतपरस्त पंथों का घर
अझकखऊचठङझ, इअईईऐटझ और तऊटझ...
साथ ही कैसर की उपासना के पंथ की राजधानी, मसीह को यह कहना था।
“मैं जानता हूँ कि तू वहाँ रहता है - जहाँ शैतान का सिंहासन है। फिर भी तू मेरे नाम के प्रति सच्चा रहा।”
“मुझ पर अपने विश्वास का त्याग तूने नहीं किया, यहाँ तक कि अन्तिपास के दिनों में भी, जिसे तुम्हारे शहर में मौत के घाट उतार दिया गया था - जहाँ शैतान रहता है।”
“लेकिन मुझे तेरे विरुद्ध यह कहना है कि... तेरे यहाँ कुछ ऐसे हैं जो मूर्तियों को बलिदान किए गए खाने को खाते हैं और व्यभिचार करते हैं।”
“जो जय पाए, उसे मैं गुप्त मन्ना में से दूँगा।”
“मैं उसे एक सफेद पत्थर भी दूँगा, जिस पर एक नया नाम लिखा होगा, जिसे वही जानेगा जो इसे प्राप्त करता है।”

थुआतीरा की कलीसिया में एक “भविष्यद्वक्तिन” स्त्री थी, जो कहती थी कि लोग आत्मा की हानि उठाए बिना व्यभिचार में सम्मिलित हो सकते हैं।
परमेश्वर की ओर से उसके लिए नरक में एक बिछौना था।
“मैं उसे दुःख के बिछौने पर डालूँगा, और जो उसके साथ व्यभिचार करते हैं, उन्हें भी मैं बहुत कष्ट दूँगा।”
उसके पीछे चलनेवाले उन लोगों के लिए जो उसके भ्रष्ट आचरण का पक्ष लेते हैं और...
“मैं उसके बच्चों को भी मार डालूँगा।”
“जो जय पाए और अंत तक मेरी इच्छा पूरी करता रहे, मैं उसे जाति-जाति पर अधिकार दूँगा...”

सरदीस में कलीसिया मर चुकी थी हठी लोगों से भरी हुई थी।
"तेरे पास जीवित होने का प्रतिष्ठा है - लेकिन तू मर चुका है।"
"जाग जा!"
"जो बचे हुए हैं और जो मरने पर हैं उनको दृढ़ कर..."
"यदि तू जागृत नहीं होगा, तो मैं तेरे पास चोर के समान आऊँगा, और तू नहीं जान पाएगा कि मैं किस समय तेरे पास आ जाऊँगा।"
सरदीस में कुछ लोग हैं जिन्होंने अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किए हैं।
वे श्वेत वस्त्र पहिने हुए मेरे साथ घूमेंगे, क्योंकि वे इस योग्य हैं।
जो कोई भी जय पाएगा, उसे इसी तरह के श्वेत रंग के वस्त्र पहनाए जाएँगे।
"मैं देखूँगा, कि उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से मिटाया न जाएगा, परन्तु उसका नाम अपने पिता और उसके दूतों के सामने मान लूँगा।"

छठवीं कलीसिया, फिलदिलफिया, वह कलीसिया थी जिसने विश्वास को बनाए रखा था।
तुम्हें यह कहने का कोई अधिकार नहीं है! हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था दी थी!
लेकिन यीशु मसीह व्यवस्था की पूर्ति है - और जिसके विषय में हमारे भविष्यद्वक्ताओं ने भविष्यद्वाणी की थी।
उसे बाहर निकालो! वह भी उन मसीह-अनुयायियों में से एक है! उन्हें हमारे शहर से निकाल दो।
मुझे पता है कि तुझमें सामर्थ्य कम है। फिर भी तू मेरे वचन में बना रहा और मेरे नाम का इन्कार नहीं किया।
उन लोगों के लिए जो शैतान के आराधनालय के हैं, जो यहूदी होने का दावा करते हैं, हालांकि वे हैं नहीं, लेकिन झूठे हैं ...
...मैं उन्हें ऐसा करूँगा कि वे आकर तेरे पैरों पर गिरेंगे, और यह जान लेंगे कि मैं ने तुझ से प्रेम किया है।
जो जय पाए उसको मैं अपने परमेश्वर के भवन में एक खम्भा बनाऊँगा।
वह उसे फिर कभी नहीं निकालेगा...

प्रकाशितवाक्य 3:14-22

प्रत्येक कलीसिया में मसीह का संदेश पहुँचाने के बाद यूहन्ना को स्वर्ग का... तथा पृथ्वी के अंतिम दिनों का दर्शन दिया जाता है।
“इसके बाद मैंने देखा, और मेरे सामने स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ था।”
“जो आवाज़ मैंने पहले सुनी थी, उसी ने मुझसे फिर बोला, ‘यहाँ ऊपर आ और मैं दिखाऊँगा कि इसके बाद क्या होनेवाला है।’”
“मैं तुरन्त आत्मा में आ गया था, और मेरे सामने स्वर्ग में एक सिंहासन रखा था, जिस पर कोई बैठा था।”

“और जो उस पर बैठा था, उसका स्वरूप यशब और माणिक का सा था।”
“... मरकत जैसा दिखने वाला एक मेघधनुष सिंहासन को घेरे हुए था...”
“वहाँ पर चौबीस और सिंहासन थे...”
“... सिंहासन के सामने सात दीपक जल रहे थे...”
प्रकाशितवाक्य ४:१-६

सिंहासन के चारों ओर और बीच में चार जीवित प्राणी थे। [१]
वे दिन-रात कहते रहते हैं, पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान प्रभु, जो था, और है, और जो आने वाला है।८

[१] इन प्राणियों के आँखें ही आँखें थी। वे सर्वज्ञानी नहीं हैं सिर्फ परमेश्वर ही है। लेकिन इन प्राणियों के पास विस्तृत ज्ञान और अनुभव है।
प्रकाशितवाक्य ४:६-८

जब-जब वे प्राणी सिंहासन पर विराजमान और सदा जीवित रहने वाले की महिमा, आदर और धन्यवाद करते, तब-तब चौबीसों प्राचीन सिंहासन पर बैठने वाले के सामने गिर जाते, और उसकी आराधना करते जो युगानुयुग जीवता है।

हे हमारे प्रभु और परमेश्वर, तू महिमा, आदर और सामर्थ पाने के योग्य है, क्योंकि तू ही ने सब वस्तुओं की सृष्टि की, और तेरी ही इच्छा से वे सृजी गईं और बनीं हैं।
प्रकाशितवाक्य ४:९-११

“तब मैं ने उसके दाहिने हाथ में जो सिंहासन पर बैठा था, एक पुस्तक देखी जिस पर दोनों ओर लिखा हुआ था, और वो सात मुहरों से बंद की गई थी।”[1]
मुहरों को तोड़ने और पुस्तक को खोलने के योग्य कौन है?
“परन्तु स्वर्ग में या पृथ्वी पर या पृथ्वी के नीचे कोई भी उस पुस्तक को खोल नहीं सका और यहाँ तक कि कोई उस पर दृष्टि भी न कर सका।”
“मैं बिलख-बिलखकर रोने लगा, क्योंकि कोई नहीं मिला जो उस पुस्तक को खोलने या उस पर दृष्टि डालने के योग्य हो।”
“तब प्राचीनों में से एक ने मुझसे कहा:”
रो मत! देख, यहूदा के गोत्र का वह सिंह, जो दाऊद का मूल है, विजयी हुआ है।
वह पुस्तक और उसकी सातों मुहरों को खोलने में सक्षम है।
[1] यह संभवत: पृथ्वी का अधिकारिक दस्तावेज़ है। रोम के अधिकारिक दस्तावेज़ों की तरह - इसे सात मुहरों से बंद कर दिया गया था।

तब मैं ने एक मेम्ने को देखा, मानो कि वह वध किया गया हो, जो चारों प्राणियों और प्राचीनों से घिरा, सिंहासन के बीच में खड़ा हुआ था।
उसके सात सींग और सात आँखें थीं, जो परमेश्वर की सात आत्माएँ हैं, जो सारी पृथ्वी पर भेजी गई हैं।

प्रकाशितवाक्य ५:६

उसने आकर सिंहासन पर बैठने वाले के दाहिने हाथ से वह पुस्तक ले ली।
और जब उसने उस पुस्तक को ले लिया, तो वे चारों प्राणी और चौबीसों प्राचीन मेम्ने के सामने गिर पड़े।
हर एक के पास वीणा थी, और वे धूप से भरे हुए सोने के कटोरे पकड़े हुए थे, जो पवित्र लोगों की प्रार्थनाएँ हैं।
और वे एक नया गीत गाने लगे...
तू उस पुस्तक को लेने और उसकी मोहरें खोलने के योग्य है, क्योंकि तूने वध होकर, और अपने लहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिए मनुष्यों को मोल लिया है।

तू ने उन्हें हमारे परमेश्वर की सेवा करने के लिए एक राज्य और याजक बनाया है और वे पृथ्वी पर राज्य करेंगे।

तब यूहन्ना ने गीत गानेवाले स्वर्गदूतों का एक बहुत बड़ा समूह देखा जिसे दुनिया ने कभी नहीं देखा . गीत गानेवालों की संख्या लाखों में थी।
मेम्ना ही योग्य है, जो वध किया गया था, कि सामर्थ और धन और बुद्धि और शक्ति और आदर और महिमा और स्तुति प्राप्त करे!

प्रकाशितवाक्य 5:13

आमीन।
आमीन।
आमीन।
प्रकाशितवाक्य ५:१४

“मैंने देखा कि जैसे ही मेम्नें ने सात मुहरों में से पहली को खोला।”
“तब मैं ने चारों प्राणियों में से एक को गड़गड़ाहट के समान आवाज में यह कहते सुना, कि आ।”
[१] सफेद घोड़ा विश्व शांति के एक अनूठे समय का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यह झूठे मसीहा के द्वारा एक शांति है, जिसकी समाप्ति मसीह विरोधी में होती है। पूरी दुनिया इस झूठी शांति को पाने की अभिलाषा से घोड़े पर सवार इस घुड़सवार का अनुसरण करेगी।
[२] धनुष युद्ध का प्रतीक है, लेकिन तीरों के अभाव का अर्थ है कि शांति युद्ध से नहीं, वाचाओं द्वारा प्राप्त की गई थी।

मैंने दृष्टि की और देखा कि मेरे सामने एक सफेद घोड़ा था।६[१]
उसके सवार के पास एक धनुष था, और उसे एक मुकुट दिया गया था और वह एक विजेता के समान विजय प्राप्त करने के लिए निकला।६[२]
VOTE
प्रकाशितवाक्य ६:१-२

“जब मेम्नें ने दूसरी मुहर खोली, तो मैं ने दूसरे जीवित प्राणी को यह कहते सुना, ‘कि आ!’”
“फिर एक और घोड़ा निकला, जो आग की तरह लाल था।”
[1] अब युद्ध और हिंसा का प्रलय पृथ्वी ग्रह पर आ पड़ा है।
यह मसीह द्वारा वर्णित पीड़ाओं की शुरुआत है जो उसने पृथ्वी पर रहते हुए बताईं थीं।
यह एक ऐसा समय होगा जब हत्या करना सामान्य हो जाएगा।
चारों तरफ विद्रोह, मार-काट, हत्याएँ और दूर-दूर तक रक्तपात होगा।

"उसके सवार को यह अधिकार दिया गया था कि पृथ्वी पर से मेल मिलाप उठा ले ताकि मनुष्य एक दूसरे को घात करें।" [1]
"उसको एक बड़ी तलवार दी गई थी।"

“जब मेम्नें ने तीसरी मुहर खोली, तो मैं ने तीसरे प्राणी को यह कहते सुना, “कि आ।”
“मैंने दृष्टि की, और देखा, तो मेरे सामने एक काला घोड़ा था! उसका सवार हाथ में एक जोड़ी तराजू लिए हुए था।”[१]
[१] विश्वव्यापी युद्ध खाद्य आपूर्ति को बाधित करेगा और वैश्विक अकाल और भूख की महामारी लाएगा। तराजू से संकेत मिलता है कि भोजन की कमी से राशन और भोजन की पंक्तियाँ बढ़ेंगी।
[२] परिमाण राशि से संकेत मिलता है कि लोग उस दिन खाने के लिए पर्याप्त भोजन के लिए पूरे दिन काम करेंगे। सामान्य रूप से जानवरों को दिया जाने वाला जौ लोगों द्वारा खाया जाएगा। खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले तेल और दाखरस जैसे उत्पादों को सुखविलास की वस्तुओं के रूप में माना जाएगा।

एक दिन की मजदूरी के लिए एक सेर गेहूँ, और एक दिन की मजदूरी के लिए तीन सेर जौ, और तेल और दाखरस को कोई नुकसान न पहुँचाना। [२]
तब मैं ने चारों प्राणियों के बीच में से एक शब्द कहते सुना, जो कह रहा था...
प्रकाशितवाक्य ६:५-६

"जब मेम्ने ने चौथी मुहर खोली, तो मैं ने चौथे प्राणी का शब्द यह कहते सुना, "आ"
"मैंने दृष्टि की और देखा तो मेरे सामने एक पीला घोड़ा था" [१]
"पृथ्वी के एक चौथाई भाग पर उन्हें अधिकार दिया गया, कि वे तलवार, अकाल, और मरी, और पृथ्वी के वनपशुओं के द्वारा लोगों को मार डालें।" [२]
[१] युद्ध और अकाल के परिणामस्वरूप दुनिया भर में अधिक बीमारी और महामारी का प्रकोप फैलेगा।
[२] जिन बिमारियों के बारे में सोचा था की उनका पूर्ण नाश हो गया है वे दुनिया में आज भी फिर से अस्तित्व में आ रहीं हैं। युद्ध में हुई तबाही के बाद, भूख और बीमारी ने पच्चीस प्रतिशत आबादी की जान ले ली।

NO HOPE
HUNGRY
८उसके सवार का नाम मृत्यु था, और
अधोलोक उसके पीछे हो लिया।८

SUPERBIBLE.TV